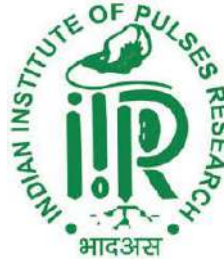


# उपकार प्रतिनिधिमंडल का आई.आई.पी.आर. दौरा – कार्यवाही



उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार), लखनऊ, उत्तर प्रदेश



भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (आई.आई.पी.आर.), कानपुर, उत्तर प्रदेश



दौरे की तिथि: 17 अक्टूबर, 2025



### प्रतिनिधिमंडल के सदस्य:

- डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक, उपकार
- डॉ. राजर्षि कुमार गौर, उपमहानिदेशक, उपकार
- डॉ. हिमांशु तिवारी, तकनीकी सचिव, उपकार

### परिचय:

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के प्रतिनिधिमंडल ने, जिसका नेतृत्व महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने किया, भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (आई.आई.पी.आर.), कानपुर, उत्तर प्रदेश में प्रायोगिक खेत का निरीक्षण किया। इस प्रतिनिधिमंडल में डॉ. राजर्षि कुमार गौर, उपमहानिदेशक (अनुसंधान परियोजना प्रबंधन एवं समन्वय) और डॉ. हिमांशु तिवारी, तकनीकी सचिव शामिल थे।

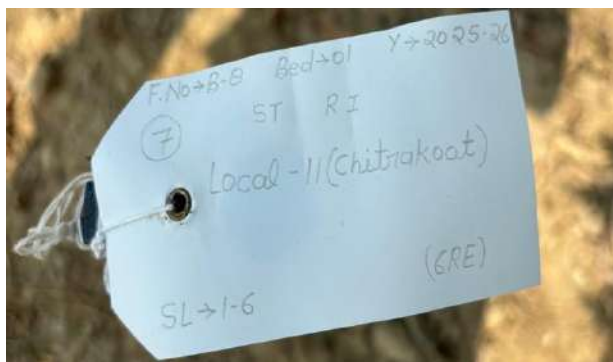
अनुसंधान परियोजना के मूल्यांकन में डॉ. बी. बी. सिंह, पूर्व सहायक महानिदेशक (तेलहन एवं दलहन, आई.सी.ए.आर.), विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे, जबकि डॉ. आई. पी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक (अनुवांशिकी और फसल प्रजनन), परियोजना के मुख्य अन्वेषक के रूप में कार्यरत थे।



यह परियोजना, जिसका शीर्षक है “उत्तर प्रदेश के लिए जलवायु-सहनशील आनुवंशिक संरचना विकसित करने हेतु अरहर की स्थानीय प्रजातियों के आनुवंशिक सुधार का मूल्यांकन”, अप्रैल 2024 से मार्च 2027 तक संचालित की जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य अरहर की स्थानीय प्रजातियों का मूल्यांकन करना है, ताकि उत्तर प्रदेश की विभिन्न कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल जलवायु-सहनशील जीनोटाइप विकसित किए जा सकें। परियोजना के तहत तीन प्रमुख परीक्षण संचालित किए जा रहे हैं:



- **अरहर की स्थानीय प्रजातियों का परीक्षण:** कुल 8 प्रविष्टियाँ और 3 नियंत्रण किस्मों को यादृच्छित खंड रूपरेखा (आर.बी.डी.) के तहत उनके आनुवंशिक संभावनाओं और अनुकूलता का मूल्यांकन करने के लिए परीक्षण किया जा रहा है।
- **बीज संवर्धन और प्रारंभिक उपज मूल्यांकन:** इस परीक्षण में 14 प्रविष्टियाँ और 3 नियंत्रण किस्में शामिल हैं, जिन्हें संवर्धित रूपरेखा के तहत प्रारंभिक उपज मूल्यांकन और बीज वृद्धि के लिए लगाया गया है।
- **प्रत्याशित आनुवंशिक संरचना का संवर्धन (आई.पी.ए. 15-21 और आई.पी.ए. 22-10):** चयनित आनुवंशिक संरचना की प्रत्येक 15 पंक्तियों को संवर्धित किया जा रहा है, ताकि आगे के मूल्यांकन और बहु-स्थलीय परीक्षणों के लिए पर्याप्त बीज उपलब्ध हो सके।



### सुझाव:

बांदा टिंडवारी, लोकल-1 (कनवारा), लोकल-7 (चित्रकूट), लोकल-11 (चित्रकूट), आई.पी.ए.-206, आई.पी.ए.-15-02, बालुधा, छिगरी, सीतापुर लोकल-3, राहुनिया, कथुरवा, बहार, भूरी अरहर आदि विभिन्न प्रविष्टियों में से, हमारे विशेषज्ञ ने सुझाव दिया कि पहला चयन लोकल-7 (चित्रकूट) होना चाहिए, जो अच्छी प्रदर्शन कर रही है और बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए अपनाई जा सकती है। दूसरा चयन छिगरी है, जो अच्छी अनुकूलता दिखा रही है, और तीसरा चयन बालुधा है, जो सूखा-प्रतिरोधक, गहरी जड़ वाली और बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए उपयुक्त है। सुझाव दिया गया कि इन तीन आनुवंशिक गठन पर विशेष प्लॉटों में अलग-अलग प्रयोग किए जाएँ।



### भविष्य के परिणाम:

इस परियोजना से कई महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त होने की अपेक्षा है, जो उत्तर प्रदेश में सतत अरहर खेती को बढ़ावा देंगे। उम्मीदवर्धक स्थानीय प्रजातियों की पहचान और आनुवंशिक सुधार बुंदेलखंड और अन्य सूखा-प्रवण क्षेत्रों के लिए जलवायु-सहनशील अरहर आनुवंशिक गठन विकसित करने का मार्ग प्रशस्त करेंगे। ये सुधारित आनुवंशिक गठन उपज स्थिरता, अवैज्ञानिक तनावों (विशेषकर सूखा और ऊष्मा) के प्रति सहनशीलता, और विविध जलवायु परिस्थितियों में कुल उत्पादकता को बढ़ाने में सहायक होंगे। साथ ही, बीज संवर्धन और बहु-स्थलीय मूल्यांकन से उच्च गुणवत्ता वाले बीज की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे बड़े पैमाने पर खेती और नई किस्मों के संभावित विमोचन में मदद मिलेगी। यह परियोजना क्षेत्रीय आनुवंशिक सामग्री आधार को मजबूत करने, सतत कृषि प्रणालियों का समर्थन करने, और अरहर उगाने वाले किसानों के दीर्घकालीन खाद्य और आजीविका सुरक्षा के लिए जलवायु-स्मार्ट कृषि प्रथाओं में योगदान देने में भी सहायक होगी।

---

## निष्कर्ष

इस परियोजना ने उत्तर प्रदेश में जलवायु तनावों के प्रति मजबूत अनुकूलता और सहनशीलता वाले उम्मीदवर्धक अरहर की स्थानीय प्रजातियों की सफलता पूर्वक पहचान की। इनमें लोकल-7 (चित्रकूट), छिगरी, और बालुधा बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए श्रेष्ठ आनुवंशिक गठन के रूप में उभरे। इनकी सूखा-प्रतिरोधक क्षमता और उच्च उपज क्षमता उनके जलवायु-सहनशील खेती के लिए उपयुक्त होने को दर्शाती है। आगे का मूल्यांकन और बीज संवर्धन इन आनुवंशिक गठन की व्यापक स्तर पर अपनाने और राज्य में सतत तुवर उत्पादन की संभावना को मजबूत करेगा।